

10. 103, 5. DRAUP. 8, 40. MBH. 1, 554. 13, 4068. R. 6, 16, 3. KATHAS. 25, 145. 27, 164. 42, 58. 43. 99. 47, 93. RĪGĀ-TAR. 1. 64. कृतप्रवीरा (सेना) MBH. 6, 2639. 15, 589. R. 2, 114, 6. 6, 23, 30. राथिनाम् MBH. 3, 12316. वृक्षि, कु-
रु, पुरुष 1, 7148. 4, 60. 777. BHAG. 11, 48. DRAUP. 5, 22. HARIV. 3233. R. 3, 49, 57. 6, 2, 50. RAGH. 14, 29. 16, 1. मर्त्य KATHAS. 43, 375. प्रतिपत् 47. 35. ऋषि R. 2, 89, 23. दानमान im Spenden und Ehren HARIV. 11842. — 2) m. N. pr. eines Sohnes des Pūru MBH. 1, 3695. des Prakinvant (Grosssohnes des Pūru) HARIV. 1636. VP. 447. BHĀG. P. 9, 20, 2. des Dharmameetra HARIV. 1721. des Harjaçva VP. 434. des 14ten Manu HARIV. LANGL. I, 42 (प्रवीणा ed. Calc.). N. pr. eines Kaṇḍāla Māra. P. 8, 86. pl. die Nachkommen des Pravira (Sohnes des Pūru) MBH. 5, 2732.

प्रवारबाहु (प्र + बाहु) m. N. pr. eines Rākshasa R. 6, 35, 8.

प्रवीरवर (प्र + वर) m. N. pr. eines Asura KATHAS. 47, 19.

प्रवर्ग्य (von वर्ग mit प्र) adj. so v. a. प्रवर्ग्य TAITT. ĀH. 5, 6, 2.

प्रवृत्तन (wie eben) n. das Einträufeln, die Hundlung des Pravargja Comm.

प्रवृत्तनीय (von प्रवृत्त) adj. für die Handlung des Pravargja bestimmt, vom Mahāvira KĪTJ. ÇH. 26, 7, 14. 41.

प्रवृत्त (von वर्त् mit प्र) f. nach SĀI. so v. a. प्रवृत्ति. मूकी प्रवृद्धयस्य यज्ञैः R. V. 3, 31, 3. VS. 15, 9. In der ersten Stelle könnte auch ein Thema प्रवृत्त angenommen werden.

प्रवृत्तहोम (प्र, partic. von वृत् mit प्र, + होम) m. Wahlopf (bei der Priesterwahl) KĪTJ. ÇH. 9, 8, 16. LĀTJ. 1, 11, 9. Davon होमीय adj. ÇĀKṢH. BR. 15, 5.

प्रवृत्ताहुति (प्र + अहुति) f. dass. ÇĀKṢH. BR. 10, 6. ÇH. 6, 9, 17. 9, 20, 1.

प्रवृत्त (von वर्त्) 1) partic. adj. rund ÇĀKṢH. BR. 5, 1. Die anderen Bedd. s. u. वर्त् mit प्र. — 2) m. so v. a. प्रवर्त ÇAT. BR. 5, 4, 2, 24. 26.

प्रवृत्तक (von प्रवृत्त) n. 1) = प्रवर्तक 2. PRATĀPAR. 28, a, 7. — 2) ein best. Metrum COLEBR. Misc. Ess. II, 78. 79. 135 (1, 4). Ind St. 8, 312. fg.

प्रवृत्तचक्र (प्र + चक्र) adj. dessen Rad ungehemmt rollt; davon nom. abstr. ०त्ति f. unumschränkte Macht JĀGṆ. 1, 265.

प्रवृत्ति (von वर्त् mit प्र) f. = वृत्ति, प्रवर्तन TRIK. 3, 3, 173. H. an. 3, 280. MED. t. 130. 1) das Fortschreiten, Fortgang, das Vorstattengehen: यथा शुक्रस्य पतस्य प्रवृत्ति चन्द्रमाः शनैः (वर्धते) MBH. 12, 1060. वार ० Sūtras. 1, 66. अयुच्छिन्नपृथुप्रवृत्ति भवतो (eines Elephanten) दानं (Brunstsaft und Spenden) समानं मम VIKR. 110. सर्वक्रिया ० Suçr. 1, 129, 20. ÇĀKṢH. ÇH. 3, 19, 7. GṆHJ. 1, 8. — 2) das Zuvorscheinkommen, Hervorkommen, Hervortreten, Erscheinen: अश्रु ० Suçr. 1, 118, 4. कुसुम ० ÇĀK. 84, v. l. फल ० RAGH. 14, 39. तैजसस्य धनुषः प्रवृत्तये तोयदानिव सकृन्नलोचनः (व्यादिशति) 11, 43. पुराणस्य कवेस्तस्य चतुर्मुखसमीरिता। प्रवृत्तिरा-
सोच्छ्रान्तं चरितार्था चतुष्टयी ॥ KUMĀRAS. 2, 17. अयुक्तवर्णारमणोयव-
चः ० (तनय) ÇĀK. 176. स्वसदशाचारं Spr. 2401. योगप्रवृत्तिः प्रथमा ÇVE-
TĀCV. UP. 2, 13. जन्मनः, राज्यस्य RĪGĀ-TAR. 3, 244. — 3) Entstehung, Ur-
sprung: यतः प्रवृत्तिर्भूतानाम् BHAG. 18, 46. चातुर्वर्ण्य ० VP. bei Muir, ST. 1, 52, N. 31. — 4) Thätigkeit, Wirksamkeit, Bestreben, Function KAP. 1, 145. KAN. 2, 2, 33. 6, 1, 10. 11. SĪKṢHJAK. 12. 13. 17. 18. 37. BHĀSHĀP. 148. fg. COLEBR. Misc. Ess. II, 289. 382. fg. BANERJIA 181. fgg. MBH. 1, 251. 3, 144. BHAG. 14, 12. 13. 15. 4. 16. 7. 18, 30. Spr. 2933. KĀM. NĪTIS. 1, 35.

PRAB. 9, 13. 90, 8. 10. 99, 11. BORN. Intr. 441. इन्द्रियाणामप्रवृत्तिर्यथाप्र-
वृत्तिर्वा Suçr. 1, 91, 2. प्राणादि ० ÇĀKṢH. zu KĀND. UP. S. 44. कृतादृते
यन्त्राणामप्रवृत्तिरेव Suçr. 1, 23, 14. plur. JĀGṆ. 3, 158. MBH. 3, 13775. 13,
54. 3321. 3446. KUMĀRAS. 6, 26. VĀJU-P. in Verz. d. Oxf. H. 49, b, 24.
अतःकरणप्रवृत्तयः so v. a. die innere Stimme Spr. 273. — 5) das Sich-
begeben in (loc.). das Gehen an, das Sichhingeben, das Sichmachen an,
Obliegen (Gegens. das Abstehen, Entsagen): आत्मसंदेहे प्रवृत्तिर्न विधे-
या Hit. 10, 11. इदं कर्मणि 122, 18, v. l. विषयाणामर्जने TATTVAS. 36.
तन्मांसभक्षणेषु KULL. zu M. 3, 31. कृत्याकृत्यप्रवृत्तिनिवृत्ति ० SĀH. D. 1, 13.
ÇĀKṢH. zu BṚH. ĀR. UP. S. 75. fg. अदुताभिस्तस्या धर्मप्रवृत्तिभिः RĪGĀ-TAR.
6, 295. स्नेह ० so v. a. das Lieben, Zugethansein ÇĀK. 58, 4. 92. मन्त्राया
रामाभिषेकविघ्नप्रवृत्तिः Schol. zu R. bei Muir, ST. 4, 413, 2. कस्य वा
रोगिणः सितशर्कराप्रवृत्तिः साधयसी न स्यात् Gebrauch, Anwendung
SĀH. D. 2, 9. प्रवृत्तिरेषा भूतानाम् so v. a. fröhnen diesem M. 3, 56. MBH.
13, 5679. यानि च प्रतिषिद्धानि तत्प्रवृत्तिश्च MĀRK. P. 13, 41. — 6) das
Verfahren, Benehmen: अतो ऽन्यथा प्रवृत्तिः M. 3, 31. पार्थिवी च प्रवृत्ति-
स्ते SĀV. 6, 18. आचार्य ० PAT. zu P. 8, 4, 1. त्वां प्रत्यक्षमात्कलुषप्रवृत्तौ
भूताग्रजे RAGH. 14, 73. मेघप्रवृत्त्या (so ist zu lesen) भवति किं जगत्प्रवृत्त-
नानां प्रवृत्तिः ad MRGH. 86. — 7) Geltung einer Regel KĀR. zu P. 2, 1,
32. Schol. zu P. 8, 1, 73. KĀTJ. ÇH. 1, 2, 11. — 8) Fortdauer, = प्रवाह
AK. 3, 3, 18. TRIK. H. an. MED. निष्पन्ने ऽपि वस्तुनि क्रियाप्रवृत्तिरति-
क्रमणम् Schol. zu P. 1, 4, 95. fortdauernde Geltung KĀTJ. ÇH. 4, 3, 4.
22. 7, 5, 25. — 9) Loos, Schicksal: प्रवृत्तिरेषा भूतानाम् R. 2, 108, 12. —
10) Kunde, Nachricht (vgl. वार्ता, वृत्तान्त) AK. 1, 1, 5, 8. TRIK. H. 260.
H. an. MED. HALĀJ. 1, 146. VIKR. 102. दयित ० von der Geliebten 94.
अप्रवृत्तौ च वैदेह्याः R. GORR. 1, 4, 74. पृष्ठवांस्तस्याः प्रवृत्तिम् KATHAS. 10,
153. 38, 91. राज्ञः प्रवृत्तिं चिन्ततः VID. 27. नैव प्रवृत्तिं शृणुमस्तयोः क-
स्यचिदतितात् R. 4, 49, 6. श्रोतुं च सीताधिगेमे प्रवृत्तिम् 5, 63, 28. पाण्ड-
वानां प्रवृत्तिं च (न) विद्मः MBH. 4, 878. नहि प्रजानामि तव प्रवृत्तिम्
(haud praesagio equidem, quidnam pares SCHL.) BHAG. 11, 31. ज्ञात ०
KATHAS. 43, 199. प्रवृत्तिर्नास्य बुध्यते SOM. NALA 129. न च प्रवृत्तिस्तेर्ल-
ब्धा पाण्डवानाम् MBH. 1, 485. प्रवृत्तिरूपलब्धा ते वैदेह्या रावणस्य च
3, 16097. 4, 898. इन्द्रात्प्रवृत्तिं प्रतिलभ्य सीता काकुत्स्थयोः R. 3, 63, 29.
तत्कुतो ऽस्मिन्विपिने प्रियाप्रवृत्तिमामेयम् VIKR. 37, 18. ० कुराण HARIV.
10026. जीमूतेन स्वकुशलमयीं कारयिष्यन्प्रवृत्तिम् MRGH. 4. (पाण्डवानाम्)
प्रवृत्तिराख्याता MBH. 1, 438. 554. R. 6, 9, 19. HARIV. 10033. समाख्याता
MBH. 3, 11205. प्रवृत्तिं विनिवेद्य R. 1, 1, 72 (77 GORR.). प्रत्यवेद्यन् MBH.
1, 1864. प्रवृत्तिर्निवेदिता R. 4, 62, 21. शंस तस्याः प्रवृत्तिम् VIKR. 103. प्र-
वृत्तिं प्रदुर्नगरे MBH. 1, 6306. दह्या R. 4, 63, 26. (भवद्भिः) रामसंश्रया।
प्रवृत्तिरूपनेतव्या किं करोतीति तन्नतः ॥ 3, 60, 36. राज्ञो चैरातैः प्र-
वृत्तिरुदीयत MBH. 1, 7366. विषयवती प्र ० Kunde —, Kenntniss von den
Sinnesgegenständen (a sensuous immediate cognition BAILL.) JOGAS. 1,
35. — 11) die den Elephanten zur Brunstzeit aus den Schläfen quel-
lende Flüssigkeit H. 1223. — 12) Name von Āvanti u. s. w. MED. —
13) Multiplier (wohl eine Verwechslung mit प्रकृति) WILS. — Vgl.
अति, चित्प्रवृत्ति, उष्प्रवृत्ति, प्रावृत्ति.

प्रवृत्तिज्ञ (प्र ० Kunde + ज्ञ) m. Kundschafter TRIK. 2, 8, 25. Der Text
hat प्रवृत्तज्ञ, der Index, ÇKDa. und Wilson aber richtig प्रवृत्तिज्ञ.